Date: 01/03/25

भाषा विवि में हुआ एमएस एक्सेल कार्यशाला का समापन

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में ' शैक्षणिक और प्रशासनिक उत्कृष्टता के लिए एमएस एक्सेल में महारत' पर कार्यशाला का दूसरा दिन संपन्न हुआ।

विदित है कि ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के माननीय कुलपति प्रो. जे पी पांडेय के नेतृत्व में व्यवसाय प्रशासन विभाग द्वारा आयोजित "शैक्षणिक और प्रशासनिक उत्कृष्टता के लिए एमएस एक्सेल में महारत" पर दो दिवसीय कार्यशाला आज संपन्न हुई। इस गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षणिक और प्रशासनिक कर्मचारियों की एमएस एक्सेल के प्रभावी उपयोग में दक्षता बढ़ाना था, जो सफलतापूर्वक पूरा हुआ.कार्यशाला के दूसरे दिन, प्रतिभागियों को एमएस एक्सेल की उन्नत सुविधाओं के बारे में मार्गदर्शन दिया गया, जिससे उन्हें डेटा प्रबंधन, रिपोर्टिंग और प्रशासनिक कार्यों को सुव्यवस्थित करने के लिए शक्तिशाली वातावरण दिया जा सके। कुल चार सत्रों सत्रों में डेटा विश्लेषण, मैक्रो के साथ स्वचालन और जटिल डेटा सेट को सरल बनाने के लिए पिवट टेबल का उपयोग जैसे विषय शामिल थे। कार्यशाला के संयोजक डीन, कॉमर्स, प्रो. सैय्यद हैदर अली ने बताया कि कि कार्यशाला से प्राप्त कौशल से विश्वविद्यालय में शैक्षणिक और प्रशासनिक दोनों ही कार्यों में महत्वपूर्ण रूप से सुधार होगा जिससे दैनिक कार्यों में अधिक दक्षता और सटीकता आएगी. व्यवसाय प्रशासन विभाग और प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यशाला में संकाय सदस्यों और प्रशासनिक कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ श्री विनय चौबे ने द्वारा किया गया। जिन्होंने न केवल विशेषज्ञ-स्तरीय निर्देश दिए बल्कि प्रतिभागियों को एक्सेल उपकरणों के व्यावहारिक प्रदर्शनों में भी शामिल करने के गुर सिखाए।

कार्यशाला के इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर जे.पी. पांडे ने विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए आयोजकों को बधाई दी और इस तरह के व्यावसायिक विकास के अवसरों को जारी रखने के लिए कहा माननीय कुलपति ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला विश्वविद्यालय में शैक्षणिक और प्रशासनिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के प्रति विश्वविद्यालय प्रशासन प्रतिबद्ध है। कार्यशाला के समापन सत्र के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए। कार्यशाला के समापन के अवसर पर प्रो.

राजेंद्र त्रिपाठी, डॉ. दुआ नकवी, डॉ. काज़िम रिज़वी, डॉ.सुमन मिश्रा, डॉ. विवेक बाजपेई सहित विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

Date: 02/03/25

एनएसएस स्वयंसेवक समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं: डॉ. मुनव्वर हुसैन

भाषा विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव राहोडा पुरवा में सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

लखनऊ, 2 मार्च 2025: ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए रहौडा पुरवा गांव में कुलपति प्रो. जे.पी. पांडेय के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई पांच का सात दिवसीय विशेष शिविर संपन्न हुआ। विदित हो कि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव में हर वर्ष राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विशेष शिविर का आयोजन किया जाता रहा है। इस बार भी रहौडा पुरवा गांव में 24 फरवरी से 2 मार्च तक सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस विशेष शिविर के माध्यम से एनएसएस स्वयंसेवकों ने न केवल गोद लिए गए गांव के लोगों की समस्याओं के बारे में जाना, बल्कि लोगों को इन समस्याओं के समाधान के बारे में भी बताया तथा इन समस्याओं से निपटने के बारे में आवश्यक जानकारी भी प्रदान की। इस अवसर पर डॉ. मूसी रज़ा ने एनएसएस स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि एनएसएस स्वयंसेवकों को सात दिवसीय शिविर में सीखी गई बातों को अपनी जीवनशैली में शामिल करना चाहिए, जिससे इस विशेष शिविर में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आने की संभावनाएं और अधिक उज्ज्वल होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह योजना युवा छात्र एवं छात्राओं को विभिन्न सार्वजनिक सेवा गतिविधियों एवं कार्यक्रमों में भाग लेने एवं मार्गदर्शन करने का अवसर प्रदान करती है तथा उन्हें सक्षम सामाजिक सदस्य बनने एवं कुशल बनाने में भी मदद करती है। उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी स्वयंसेवकों को इस शिविर में सीखी गई बातों एवं इससे प्राप्त अनुभव को अपने विश्वविद्यालय के बाकी छात्रों के साथ साझा करना चाहिए ताकि उनमें सामाजिक कार्यों के प्रति जागरूकता एवं रुचि पैदा हो सके। इस अवसर पर डॉ. मुनव्वर हुसैन ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि ये विशेष शिविर छात्रों को एक जिम्मेदार नागरिक बनाने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं क्योंकि इस शिविर के माध्यम से समाज के प्रति जिम्मेदारियों को समझने की क्षमता जागृत होती है। एनएसएस स्वयंसेवक बनना अनिवार्य रूप से अपने भीतर छिपी जिम्मेदारियों के सार को पहचानना है जो समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस अवसर पर उन्होंने स्वयंसेवकों को यह भी बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना किस प्रकार व्यक्तित्व विकास में सहायक है तथा समाज सेवा की भावना को जागृत करती है तथा यह भी कहा कि इस शिविर में प्राप्त अनुभवों को

अपने जीवन में उतारना बहुत जरूरी है। इस सात दिवसीय विशेष शिविर के पहले दिन स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों से बातचीत करते हुए उन्हें बताया कि किस तरह बीमारियों से बचा जा सकता है। इसके अलावा, इन सात दिनों के दौरान गोद लिए गए गांव में विभिन्न विषयों जैसे "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ", मतदाता जागरूकता, नशा मुक्ति, स्वच्छता और सफाई तथा समाज के प्रति जागरूकता लाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए और एक रैली भी निकाली गई। इस कार्यक्रम की खास बात यह रही कि इन सभी कार्यक्रमों में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस सात दिवसीय विशेष शिविर में 50 स्वयंसेवक मौजूद थे। इस शिविर के अंत में स्वयंसेवकों ने अपने अनुभव प्रस्तुत किए और कहा कि हमने इससे बहुत कुछ सीखा है और हम इसे अपने जीवन में लागू करने का प्रयास करेंगे। अंत में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ज़फरून नकी ने अतिथियों का धन्यवाद किया और स्वयंसेवकों को बधाई दी और कहा कि आप लोगों ने इस विशेष सात दिवसीय शिविर में जीवन और समाज के बारे में बहुत कुछ सीखा है और मुझे उम्मीद है कि आप इसे अपने जीवन में लागू करने का प्रयास करेंगे।

Date: 04/03/25

भाषा विवि में हुआ उद्यमिता पर जागरूकता कार्यक्रम

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा एक दिवसीय उद्यमिता जागरुकता कार्यक्रम (स्पॉन्सर्ड बाय विकास आयुक्त एम.एस.एम.ई, नई दिल्ली) सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन वि वि के अटल सभागार में दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ आरम्भ हुआ। सभागार में उपस्थित मुख्य अतिथि श्री शैलेन्द्र श्रीवास्तव जी एवं आए हुए समस्त आगंतुओं का स्वागत वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एहतेशाम अहमद द्वारा किया गया। कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन श्री राजन यादव(फील्ड इन्वेस्टिगेटर एम.एस.एम.ई, नई दिल्ली) ने भारत सरकार द्वारा उद्यमिता से सम्बंधित संचालित की जा रही योजनाओं जैसे की PMEGP Ver 2.0, MUDRA के बारे में सम्पूर्ण जानकारी सभा में उपस्थित बहुतायत छात्रों को प्रदान की गई। तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री शैलेन्द्र श्रीवास्तव (President All India Small scale association) ने उद्यमिता से जुड़े अपने व्यक्तिगत सफर के बारे में बताया और कहा कि "सपने ही किसी व्यक्ति को उद्यमी बनाते हैं" और सभा में उपस्थित छात्रों को अपना मोबाइल नंबर साझा करते है कहा कि किसी भी छात्र को उद्यमिता से सम्बंधित कोई भी सुझाव व सहयोग की आवश्यकता हो तो वह उनसे संपर्क कर सकता है बशर्ते कि उनके आइडिया में नवाचार तथा रचनात्मकता हो। इसके पश्चात रिसोर्स पर्सन एवं भाषा विवि के कुलानुशासक डॉ नीरज शुक्ल द्वारा उद्यमिता और नई शिक्षा नीति के अंतर्संबंध के बारे में बताते हुए कहा कि एक सफल उद्यमी में माइंडसेट, नवाचार और रचनात्मकता जैसे गुणों का होना आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन डॉ ज़ैबुन निसा (सहा. आचार्य) द्वारा किया गया। सभागार में में वाणिज्य और इंजीनियरिंग संकाय के कुल लगभग 75 बच्चों ने उद्यमिता कार्यक्रम में सक्रिय रूप से जुड़े रहे।

अंत में कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभागार में आए हुए समस्त आगंतुओं का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनीष कुमार (सहा. आचार्य वाणिज्य विभाग) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. आर. के. त्रिपाठी, डॉ. सुमन मिश्र, सुश्री आफ़रीन फातिमा, डॉ अप्रतिम चटर्जी, डॉ. अनुभव तिवारी, डॉ मृदुल सोनी, श्री अर्जुन यादव, आएशा अलीम, सैय्यद अली ज़ुहैर ज़ैदी, शिवम् चतुर्वेदी, ऋषभ त्रिवेदी स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर में दीपांशु गुप्ता, नमरा रफत, सफ़ीया, मनतशा, महजबी आदि लोग उपस्थित रहे।

Date: 05/03/25

भाषा विवि के स्वयंसेवकों ने लगाया विशेष शिविर

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई -7 का आज सात दिवसीय विशेष का आयोजन मुबारकपुर मे किया गया जसमे प्रथम दिन उदघाटन सत्र मे शिक्षा विभाग सहायक आचार्य डॉ श्वेता अग्रवाल ने *शिक्षा का महत्व* विषय पर बोलते हुए कहा शिक्षा मे नैतिकता के साथ साथ मूल्य परक शिक्षा होनी चाहिए शिक्षा जीवन की तैयारी नहीं है बल्कि शिक्षा स्वयं जीवन है ।राष्ट्रीय सेवा योजना से हमें दूसरों के दुख-दर्द मे साथ देना चाहिए| हमारे जीवन मे सहजता, सरलता,शालीना होनी चाहिए |साथ ही प्राथमिक विद्यालय की प्रधनाध्यापिका ने शिक्षा बेहतर जीवन जीने का साधन है शिक्षा पैसा कमाने साधन नहीं होना चाहिए | कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनीष कुमार बोलते हुए कहा की डॉ बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर ने कहा शिक्षा शेरनी का दूध है जो पियेगा वो दहाड़ेगा | शिक्षा से हम समाज मे व्याप्त कुरीतियों को दूर कर सकते है | कार्यक्रम मे स्वम सेवकों ने भी अपने-अपने विचार रखे।

Date: 06/03/25

भाषा विवि के स्वयंसेवकों ने सीखा पर्यावरण संरक्षण के गुर

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई -7 के सात दिवसीय विशेष के दूसरे दिन पर्यावरण संरक्षण विषय ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई -7 के सात दिवसीय विशेष के दूसरे दिन पर्यावरण संरक्षण विषय पर विद्यालय में नीम, पीपल, बरगद का वृक्षारोपण किया गया तथा पर्यावरण विज्ञान विभग के पर्यावरण विद्वान डॉ बृजेश कुमार दुवेदी ने बोलते कहा कि विश्व मे भारत के पास केवल 2 प्रतिशत भूमि है परन्तु यह 17 प्रतिशत विश्व जनसंख्या का घर है, जिससे सीमित संसाधनों के बाबजूद नेतृत्व छमता और व्यक्तिगत विकास की आवश्यकता और भी महत्वपूर्ण हो जाती है साथ ही प्राथमिक विद्यालय शिक्षिका योग माया ने बताया की कैसे एक प्रभवशाली व्यक्तित्व समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है| शिक्षिका डॉ. उषा सिंह ने कहा की सबसे पहले पर्यावरण की सुरक्षा अपने घर से शुरू होती है जिसमे की हमको अपनेघरों किचन गार्डन होना चाहिए तथा अपने घर में औषधीय पौधे लगाने चाहिए जैसे की तुलसी, गिलोई,हल्दी आदि | कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनीष कुमार ने कहा की सुरक्षित भविष्य के लिये पर्यावरण की सुरक्षा जरुरी है। पर्यावरण विज्ञान विभग के पर्यावरण के विद्वान डॉ बृजेश कुमार दुवेदी ने बोलते कहा कि विश्व मे भारत के पास केवल 2 प्रतिशत भूमि है परन्तु यह 17 प्रतिशत विश्व जनसंख्या का घर है, जिससे सीमित संसाधनों के बाबजूद नेतृत्व छमता और व्यक्तिगत विकास की आवश्यकता और भी महत्वपूर्ण हो जाती है साथ ही प्राथमिक विद्यालय शिक्षिका योग माया ने बताया की कैसे एक प्रभवशाली व्यक्तित्व समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है| शिक्षिका डॉ. उषा सिंह ने कहा की सबसे पहले पर्यावरण की सुरक्षा अपने घर से शुरू होती है जिसमे की हमको अपनेघरों किचन गार्डन होना चाहिए तथा अपने घर में औषधीय पौधे लगाने चाहिए जैसे की तुलसी, गिलोई,हल्दी आदि | पर्यावरण के इस अवसर पर कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने भी अपने अपने विचार रखे।

Date: 07/03/25

भाषा विवि ने चलाया पढ़े विश्वविद्यालय, बढ़े विश्वविद्यालय और नशा और दहेज़ मुक्त अभियान

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में और विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों में पढ़े विश्वविद्यालय, बढ़े विश्वविद्यालय और नशा और दहेज़ मुक्त विश्वविद्यालय परिसर में माननीय कुलपति प्रो. जे पी पांडेय के कुशल नेतृत्व में अभियान लिया गया।

विदित है कि राजभवन से प्राप्त दिशा निर्देशो के क्रम में सभी उच्च शैक्षणिक संस्थाओं में पढ़ें विश्वविद्यालय और बढ़े विश्वविद्यालय के अंतर्गत विद्यार्थियों के अंदर पढ़ने की लालसा और जिज्ञासा बढ़ाने के लिए कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत सभी विभागों में शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थियों ने विभिन्न आकृतियों में रचना बनकर पुस्तक पाठन किया। जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण सुदृढ़ करना रहा।

कार्यक्रम की दूसरी श्रृंखला में नशा मुक्त भारत और दहेज़ मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सभी विद्यार्थियों, कर्मचारियों और शिक्षकों ने शपथ ली। विश्वविद्यालय में सभी विभागों ने विकेंद्रीकरण के अनुरूप सभी अभियान का आयोजन सफलतापूर्वक किया।

Date: 07/03/25

भाषा विवि की एनएसएस इकाई 3 के विशेष शिविर का हुआ समापन

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर जे.पी. पांडेय के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तीन द्वारा ग्राम- ककौली में आयोजित विशेष शिविर में राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम -ककौली गॉवो में व्यापक स्तर पर स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें ग्रामीणों को अपने आस-पास साफ- सफाई रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ राम दास ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि "स्वच्छता हमारी दिनचर्या का एक महत्वपूर्ण भाग है। यह हमारी शारीरिक स्वच्छता को ही बेहतर नहीं बनाती अपितु हमारी मानसिक स्वच्छता के लिए भी महत्वपूर्ण है। स्वच्छता हमारे मन को शांत रखने के साथ हमें अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने में मदद करती है। हमें अपने घरों को स्वच्छ रखने के साथ अपने आसपास के वातावरण को साफ -सुथरा रखना होगा तभी हम एक स्वच्छ, समृद्ध एवं विकसित भारत की कल्पना कर सकते हैं" राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-तीन के स्वयंसेवकों ने घर-घर जाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ इसके फायदो के बारे में चर्चा की।

भाषा विश्वविद्यालय: यूजीसी ने स्वयम पोर्टल पर विश्वविद्यालय डैशबोर्ड तक पहुँच की अनुमति दी

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ को स्वयम (SWAYAM) पोर्टल पर "यूनिवर्सिटी डैशबोर्ड" तक पहुँच (एक्सेस) की अनुमति प्रदान की है। यह उपलब्धि हासिल करने वाला उत्तर प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है, जिससे ऑनलाइन शिक्षा को प्रभावी रूप से प्रबंधित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

इस उपलब्धि पर ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे. पी. पांडेय ने इसे विश्वविद्यालय के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि, "इस डैशबोर्ड के माध्यम से शिक्षकों और छात्रों को स्वयम पाठ्यक्रमों से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारी एक ही स्थान पर आसानी से उपलब्ध होगी। इससे ऑनलाइन लर्निंग अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनेगी।"

साथ ही कुलसचिव डॉ. महेश कुमार ने कहा कि, "डैशबोर्ड तक पहुँच प्राप्त होने से विश्वविद्यालय प्रशासन को स्वयम पाठ्यक्रमों के नामांकन, परीक्षा प्रक्रिया और प्रमाणपत्र जारी करने की निगरानी करने में सुविधा होगी। यह डिजिटल नवाचार शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।"

इस डैशबोर्ड के माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन अपने संस्थान में स्वयम पाठ्यक्रमों की प्रगति को ट्रैक कर सकेगा और आवश्यक सुधार कर सकेगा। साथ ही, छात्रों को उनके पाठ्यक्रम की स्थिति की वास्तविक समय में जानकारी मिल सकेगी।

स्वयं की यूनिवर्सिटी नोडल ऑफिसर डॉ रुचिता सुजय चौधरी का मानना है कि यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के लक्ष्यों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे ऑनलाइन शिक्षा को सशक्त बनाया जा सकेगा।

SWAYAM क्या है?

SWAYAM (Study Webs of Active-Learning for Young Aspiring Minds) भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म है, जो छात्रों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों द्वारा विकसित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है।

Date: 08/03/25

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भाषा विश्वविद्यालय में वेबीनार का आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में, 8 मार्च 2025 को ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में माननीय कुलपति प्रो. जे. पी. पांडे के संरक्षण में एक वेबीनार का आयोजन किया गया। इस वेबीनार का आयोजन महिला अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ. नलिनी मिश्रा और राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम राजभवन, उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के दिशा-निर्देशों में संपन्न हुआ।

वेबीनार में डॉ. मंजू सिंह, विशेष कार्याधिकारी और राज्य संपर्क अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ ने सभी छात्राओं और शिक्षिकाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह दिवस विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति सम्मान, प्रशंसा और प्रेम का प्रतीक है।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित आराधना उमेल ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निषेध, रोकथाम और निवारण) अधिनियम 2013, जिसे पॉश एक्ट के नाम से जाना जाता है, के बारे में उपस्थित सभी को जागरूक किया। उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए प्रावधानों और उन्हें यौन उत्पीड़न से बचाने के उपायों पर भी प्रकाश डाला।

महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक डॉ. नलिनी मिश्रा ने महिलाओं के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में किए गए योगदान पर प्रकाश डालते हुए सभी छात्र-छात्राओं को विकसित भारत की संकल्पना में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के समापन पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रामदास ने धन्यवाद ज्ञापित किया और कार्यक्रम का समापन किया।

Date: 08/03/25

डॉ. वसी आज़म अंसारी के पिता के निधन पर शोक सभा का आयोजन

लखनऊ, 8 मार्च 2025: ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविधालय के कला एवं मानविकी संकाय की ओर से उर्दू विभाग के पुस्तकालय में डॉ. मोहम्मद वसी आज़म अंसारी के पिता के निधन पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उर्दू विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर फ़खरे आलम ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. वसी आज़म अंसारी उर्दू विभाग के एक कुशल एवं प्रतिभाशाली शिक्षक के रूप में जाने जाते हैं और छात्र भी उन्हें उनकी इन्हीं विशेषताओं के लिए पसंद करते हैं और डॉ. वसी आज़म अंसारी के व्यक्तित्व इन सभी विशेषताओ में पिता की संस्कारशीलता की अहम भूमिका रही होगी। एक स्नेही पिता का साया उठ जाना वास्तव में एक गहरी क्षति है।

अरबी विभाग के अध्यक्ष और लीगल स्टडीज के डीन, प्रोफेसर मसूद आलम ने अपनी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि पिता एक छायादार वृक्ष की तरह होते हैं और उनका इस दुनिया से चले जाना किसी के लिए भी एक साधारण दुःख नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि डॉ. वसी आज़म अंसारी के भीतर श्रेष्ठ मानवीय गुणों और सद्गुणों को देखकर उनके पिता की नेकदिली और श्रेष्ठ आचरण का अनुमान लगाया जा सकता है। ऐसे व्यक्ति का अचानक इस दुनिया से चले जाना न केवल डॉ. वसी आज़म अंसारी के लिए व्यक्तिगत क्षति है, बल्कि यह समाज के लिए भी एक अपूरणीय क्षति है।

शोक सभा को संबोधित करते हुए प्रोफेसर सोबान सईद ने कहा कि डॉ. वसी आज़म अंसारी के दिवंगत पिता न केवल एक नेकदिल इंसान थे, बल्कि मऊ की एक सक्रिय सामाजिक हस्ती भी थे। वे वहां के सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेते थे। ऐसे व्यक्तित्व का चले जाना संपूर्ण समाज के लिए एक बड़ी क्षति है।

अंग्रेज़ी विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर तनवीर खदीजा ने भी अपने दुःख का इज़हार करते हुए कहा कि डॉ. वसी आज़म अंसारी के व्यक्तित्व में जो विनम्रता और नैतिकता है, वह उनके पिता के उत्तम संस्कारों का परिणाम है। उनके जाने से समाज ने एक व्यक्तित्व को खो दिया है।

इस अवसर पर प्रोफेसर एहतिशाम अहमद, डॉ. नीरज शुक्ला, डॉ. ज़ैबुन्निसा, डॉ. अब्दुल हफीज़, डॉ. अकमल शादाब, डॉ. हारून रशीद, डॉ. ज़फरुन नक़ी, डॉ. मुनव्वर हुसैन, डॉ. मूसी रज़ा समेत अन्य शिक्षकगण, शोधार्थी और छात्र उपस्थित रहे।

शोक सभा के अंत में सभी शिक्षकों, शोधार्थियों और छात्रों ने दुआ-ए-ख़ैर की।

भाषा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में, ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी अभियंत्रण विभाग के छात्रों ने एक महत्वपूर्ण सामुदायिक आउटरीच पहल के तहत एक मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं को मासिक धर्म स्वास्थ्य, स्वच्छता और समग्र कल्याण के महत्व के बारे में जागरूक करना था।

यह अभियान महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के प्रति छात्रों की प्रतिबद्धता का एक उदाहरण था, जिसमें छात्रों ने गाँव की महिलाओं के साथ बातचीत की और उन्हें मासिक धर्म स्वच्छता को सुरक्षित और प्रभावी तरीके से प्रबंधित करने के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

छात्रों ने विभागाध्यक्ष डॉ. आर.के. त्रिपाठी और शिक्षकों - इंजीनियर धीरेंद्र सिंह, इंजीनियर शिवांशी त्रिपाठी और इंजीनियर राशि श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन और शैक्षिक सामग्री वितरित की, ताकि एक स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा दिया जा सके।

छात्रों के इस प्रयास को समुदाय द्वारा अच्छी प्रतिक्रिया मिली, और विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लिया है कि वह इस प्रकार के आउटरीच कार्यक्रमों को जारी रखेगा, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाया जा सके और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा दिया जा सके।

भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-7 का सात दिवसीय विशेष शिविर, चौथा दिन: "बेटी बचाओ, बेटी बढ़ाओ" पर चर्चा

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-7 द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन का विषय "बेटी बचाओ, बेटी बढ़ाओ" था। इस अवसर पर पत्रकारिता और जनसंचार विभाग की डॉ. रुचिता सुजाय चौधरी ने कहा कि भारत सरकार ने देश में लैंगिक असमानता को दूर करने के उद्देश्य से "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना" को लागू किया था। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत सुकन्या समृद्धि योजना, बालिका समृद्धि योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना और धन्यवाद लक्ष्मी योजना जैसी कई योजनाएँ भारत सरकार द्वारा शुरू की गई हैं।

डॉ. चौधरी ने यह भी कहा कि हमें अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों पड़ी, इसका कारण यह है कि समाज में महिलाओं को वह सम्मान नहीं मिल पाया, जो उन्हें पहले मिलना चाहिए था।

कार्यक्रम में डॉ. काज़ीम रिज़वी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के कुछ राज्यों में कन्या भ्रूण हत्या के कारण लड़कों के मुकाबले लड़कियों के जन्म अनुपात में भारी गिरावट आई है। उन्होंने यह सवाल उठाया कि हमें एक सुंदर बहू चाहिए, लेकिन घर की बहू और बच्चों की माँ के रूप में बेटी क्यों नहीं चाहिए? इस अंतर को समाप्त करना अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम में शिक्षिका डॉ. उषा सिंह ने भी अपने विचार साझा किए और कहा कि हम एक बेटी, एक माँ, एक पत्नी और एक शिक्षिका हैं। हम समाज में विभिन्न भूमिकाओं में कार्य करती हैं और हमारी भूमिका समाज को सही दिशा में प्रभावित करने वाली है।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनीष कुमार ने कहा कि आज हमारी बेटियाँ किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं। चाहे वह बोर्ड परीक्षा का परिणाम हो या विश्वविद्यालय के परीक्षा परिणाम, सबसे अधिक गोल्ड मेडल बेटियों के हाथों में जाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और इस महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा की

भाषा विश्वविद्यालय में गृह विज्ञान विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के गृह विज्ञान विभाग में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर, प्रोफेसर जे.पी. पांडे, माननीय कुलपति के मार्गदर्शन में और डॉ. तत्हीर फात्मा, डीन विज्ञान संकाय और गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष, के नेतृत्व में एक पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस आयोजन में आईटी कॉलेज लखनऊ से प्रोफेसर रचना मिश्रा ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम के दौरान, छात्रों ने इनडोर पौधे लेकर आए, और छात्रों, विभाग के संकाय सदस्यों एवं माननीय अतिथियों द्वारा मिलकर पौधारोपण किया गया।

इसके अतिरिक्त, प्रोफेसर रचना मिश्रा ने "महिला और स्वास्थ्य" विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्रों ने भाग लिया। इस सत्र में, विशेष रूप से महिलाओं को प्रभावित करने वाले स्वास्थ्य मुद्दों पर बहुमूल्य जानकारी साझा की गई।

व्याख्यान में महिला स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं को कवर किया गया, जिसमें लिंग-विशिष्ट रोगों के लिए निवारक उपाय, मासिक धर्म स्वच्छता, संतुलित आहार का महत्व और अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने में विटामिन डी की भूमिका शामिल थी। प्रोफेसर मिश्रा ने स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम और एक लंबा, संतुष्ट जीवन जीने के लिए स्वस्थ जीवनशैली और आहार के महत्व पर विशेष जोर दिया।

इस कार्यक्रम ने महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने और महिलाओं के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संदेश दिया।

Date: 09/03/25

भाषा विश्वविद्यालय: स्वयंसेवकों ने किया ग्रामीणों से संवाद

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-7 के सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवे दिन स्वयंसेवकों द्वारा ग्रामीणों से विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर संवाद किया गया। इस दौरान जल संरक्षण, शिक्षा, बालिका शिक्षा, नशा मुक्ति और महिलाओं को सम्मान दिए जाने पर विशेष जोर दिया गया। स्वयंसेवकों ने श्रमदान भी किया और समाज में जागरूकता फैलाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के दौरान, स्वयंसेवकों और कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनीष कुमार ने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इनमें फ्री सिलाई मशीन योजना, महिला शक्ति केंद्र योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, निःशुल्क बोरिग योजना और गरीब परिवारों की बेटियों की शादी के लिए अनुदान योजना जैसी योजनाओं का उल्लेख किया। इस संवाद के माध्यम से ग्रामीणों को केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के लाभ के बारे में अवगत कराया गया।

Date:10/03/25

राज भवन में भाषा विश्वविद्यालय की परीक्षा नियंत्रक डॉ. भावना मिश्रा को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महामहिम राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के कर कमलों द्वारा प्रदेश की विशिष्ट महिलाओं को उनके उत्कृष्ट और सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर भाषा विश्वविद्यालय की परीक्षा नियंत्रक डॉ. भावना मिश्रा को उनके प्रशासनिक कार्यों में किए गए सराहनीय योगदान हेतु विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

डॉ. भावना मिश्रा ने शिक्षा क्षेत्र में अपने समर्पण और कार्यों से यह साबित किया है कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों के बराबर हैं। उनके कार्यों ने न केवल शिक्षा क्षेत्र जैसे प्रशासनिक दायित्वों में नया मानक स्थापित किया है, बल्कि समाज में महिलाओं की शक्ति को भी उजागर किया है।"

समारोह में विश्वविद्यालय की चांसलर एवं उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल , श्रीमती आनंदीबेन पटेल भी उपस्थित थीं। डॉ. मिश्रा के कार्य न केवल एक प्रेरणा स्रोत हैं, बल्कि उन्होंने अपने क्षेत्र में महिलाओं की शक्ति को भी साबित किया है।"

यह सम्मान प्रदेश की विशिष्ट महिलाओं को उनके सराहनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मानित करना और उनके योगदान को व्यापक रूप से पहचान दिलाना था।

Date: 10/03/25

हम जागरूक होंगे तो समाज जागरूक होगा *

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ की *राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई -7 के सात दिवसीय विशेष शिविर * के छठे दिन का विषय सामाजिक जागरूकता रहा जिस पर सामाजिक विज्ञान संकाय क़ी संकायध्यक्ष प्रोफेसर चदना डे ने बोलते हुये कहा कि जो आज युवा आत्महत्या कर रहे है उसकी मुख्य वजह सामाजिक जागरूकता का अभाव है | उन्होंने कहा सफल होने के लिए अंक माने नहीं रखते हम आपस में तालमेल रखते हुये भी जागरूक कर सकते है हमे सामाजिक जागरूकता के साथ ही धर्म, जाति, लिंग, और विभिन्न सामाजिक–आर्थिक स्तर, भौगोलिक स्थान आदि विविधताओं पर भी ध्यान देना होगा। सभी के साथ साथ समानुभूति रखने तथा उन्हें स्वीकार करने की योग्यता को भी विकसित करना होगा। जिससे एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने अधिकार और कर्तव्यों को पहचानकर उनका उपयोग करने की योग्यता विकसित की जा सके। कार्यक्रम में शिक्षिका डॉ उषा सिंह ने भी कहा कि सामाजिक जागरूकता में स्थानीय तथा वैश्विक प्राकृतिक मुद्दों के प्रति संवेदनशील होना होगा। सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक रहकर उनके बारे में बातचीत करना तथा दूसरों के अधिकारों का सम्मान कर उनकी सुरक्षा करनी होंगी, विशेष कर समाज के कमजोर वर्ग जैसे महिलाएँ, बच्चे, बुजुर्ग, दिव्यांग वर्गों पर विशेष ध्यान देना होगा। कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनीष कुमार ने कहा कि हमें अपने आस पास समाज में रहने बालो को जागरूक करना होगा अपने से बडो के साथ होने वाले व्यवहार पर भी ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम में सस्वयंसेवकों ने भी कविता के माध्यम से तो कुछ ने अपने भाषण से जागरूक किया।

Date: 12/03/25

भाषा विश्वविद्यालय: राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 7 दिवसीय विशेष शिविर का सफल समापन

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई-7 द्वारा आयोजित 7 दिवसीय विशेष शिविर का आज भव्य समापन हुआ। शिविर के दौरान "शिक्षा का महत्व", "पर्यावरण संरक्षण", "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ", "सामाजिक जागरूकता", "स्वच्छता के प्रति जागरूकता", "ग्रामीणों से संवाद" और "सांस्कृतिक कार्यक्रम" जैसे विविध विषयों पर जागरूकता सत्र और गतिविधियाँ आयोजित की गई।

समापन समारोह में विश्वविद्यालय के प्रमुख शिक्षकों और विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य संरक्षक प्रो. सौबान सईद (डीन, एकेडमिक्स) ने छात्रों को वास्तविक जीवन में सीखी गई शिक्षा को लागू करने की महत्ता समझाई। उन्होंने कहा, "हॉस्टल जीवन भारत की विविधता का प्रतिबिंब है, जहाँ जाति, धर्म या क्षेत्रीय भिन्नताओं से परे रहकर मानव समानता का पाठ सीखा जाता है।"

इस अवसर पर बोलते हुए प्रो० एहतेशाम अहमद (विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग) ने स्वयंसेवकों को कहा कि एनएसएस केवल सेवा का मंच नहीं, बल्कि यह मजबूत नेटवर्किंग और व्यक्तिगत विकास का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा, "सीखना तभी सार्थक है जब उसे वास्तविक जीवन में लागू किया जाए।"

वहीं शिविर में उपस्थिति डॉ. नीरज शुक्ला ने प्राथमिक विद्यालय, मुबारकपुर की प्रधानाध्यापिका और कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनीष कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने मानसिक स्वच्छता की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा, "स्वच्छता केवल बाहरी नहीं होती; मानसिक शुद्धता और सकारात्मक सोच भी समाज की प्रगति के लिए अनिवार्य हैं।"

इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए — वजीहा, आशीष, वंश, रितिका मिश्रा, साद खान शेख सहित अन्य विद्यार्थियों ने इस शिविर से मिली सीख पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. मनीष कुमार (कार्यक्रम अधिकारी, एनएसएस इकाई-7) और डॉ. नलिनी मिश्रा (समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना) के मार्गदर्शन में हुआ। 50 से अधिक छात्रों की सक्रिय भागीदारी और उत्साह ने इस शिविर को एक सफल, यादगार और प्रेरणादायक अनुभव बना दिया।

साइकिल यात्रा का आयोजन, 23 मार्च 2025

दिनांक 23 मार्च 2025 को ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में राजभवन के निर्देशानुसार और माननीय कुलपति प्रो. जे.पी. पांडे के संरक्षण में साइकिल यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा का नेतृत्व डॉ. नलिनी मिश्रा, समन्वयक - महिला अध्ययन केंद्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना, और डॉ. मोहम्मद शारिक, प्रभारी शारीरिक शिक्षा विभाग एवं संयोजक रोवर्स रेंजर ने किया।

इस साइकिल यात्रा का मुख्य उद्देश्य लोगों में स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता फैलाना था। यात्रा विश्वविद्यालय परिसर से शुरू होकर ग्रीन कॉरिडोर, घंटाघर, कोनेश्वर महादेव मंदिर, काकोरी शहीद स्मारक और अन्य ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करती हुई आगे बढ़ी। यात्रा के दौरान समीपवर्ती गांवों में भी रुककर वहां सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें स्वास्थ्य जागरूकता और फिटनेस के बारे में बताया गया। गांवों में भाषण प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के चयनित छात्रों ने भाग लिया।

काकोरी शहीद स्मारक में पहुंचने पर पूर्व सांसद आदरणीय कौशल किशोर जी ने आशीर्वचन देते हुए समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. सिद्धार्थ सुदीप और डॉ. हसन मेहंदी का विशेष योगदान रहा। विश्वविद्यालय के कर्मचारी लाल यादव और आशीष अवस्थी ने भी इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

साइकिल यात्रा को प्रतिभागियों ने जोशपूर्ण तरीके से संपन्न किया, जिससे स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला।

Date: 26/03/25

भाषा विश्वविद्यालय के 60 विद्यार्थी जाएंगे "इनोवेशन एंड डिज़ाइन थिंकिंग" के बारे में।

एरा फाउंडेशन और कलाम प्रगति के सहयोग से "इनोवेशन एंड डिज़ाइन थिंकिंग" कोर्स की शुरुआत आज ए पी जे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी के प्रांगण में की गई। इस कोर्स में ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के 60 विद्यार्थियों को शिक्षा दी जाएगी, जिसका उद्देश्य उन्हें महत्वपूर्ण कौशल प्रदान करना और व्यावसायिक जीवन के लिए तैयार करना है।

कोर्स का उद्घाटन 26 मार्च 2025 को डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ में किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर जे. पी. पांडेय ने कहा, "हमारे विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को नवाचार और डिज़ाइन थिंकिंग जैसे आधुनिक कौशल से सशक्त करना हमारे शिक्षा के दृष्टिकोण का हिस्सा है। यह कोर्स उन्हें भविष्य में सफलता प्राप्त करने के लिए तैयार करेगा।"

वहीं विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर सैयद हैदर अली ने इस कोर्स के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, "यह कोर्स छात्रों को एक नया दृष्टिकोण और समस्या हल करने के कौशल से परिचित कराएगा, जो उनके व्यक्तिगत और प्रोफेशनल विकास में सहायक होगा।"

भाषा विवि की रोवर्स रेंजर्स की टीमें हुई रवाना

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ से रोवर्स रेंजर्स की टीम प्रादेशिक समागम के लिए किया प्रस्थान।

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय (KMCLU) में माननीय कुलपति प्रो जेपी पांडे के कुशल मार्गदर्शन में रोवर्स रेंजर्स के प्रादेशिक समागम के लिए प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैय्या) प्रयागराज के लिए किया एक टीम को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया।

भाषा विवि के टीम अधिकारी डॉ. सिद्धार्थ सुदीप ने बताया कि चयनित टीम अगले तीन दिनों तक अपने ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ की अगुआई करेगी। टीम वहां पर विभिन्न पप्रतियोगिताओं में प्रदर्शन करते हुए नाम रौशन करेगी। रोवर्स टीम का नेतृत्व रोवर्स प्रभारी डॉ.सिद्धार्थ सुदीप और रेंजर्स टीम का नेतृत्व रेंजर्स प्रभारी डॉ.जहां आरा ज़ैदी करेंगी।

चयनित टीम को रवाना करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति ने सभी खिलाड़ियों को विजयी होने की शुभकामनाएं दीं।

भाषा विश्वविद्यालय में सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-1 द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर जे. पी. पांडेय जी के संरक्षण में, समन्वयक डॉ. नलिनी मिश्रा और कार्यक्रम अधिकारी डॉ. श्वेता अग्रवाल के सानिध्य में हुआ।

इस शिविर के पहले दिन "स्वच्छ स्वभाव, स्वच्छ संस्कार" विषय पर ग्राम लोखरिया में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान गांववासियों को स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया गया और उनकी विभिन्न समस्याओं को सुना गया। शिविर के आयोजकों ने यह आश्वासन भी दिया कि इन समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाया जाएगा।

यह शिविर छात्रों को सामाजिक जिम्मेदारी और गांवों में सुधार लाने के लिए प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण कदम है।

Date: 29/03/25

भाषा विवि के रोवर्स रेंजर्स को मिला तृतीय पुरस्कार

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ को रोवर्स रेंजर्स के 31वें प्रादेशिक समागम में मिला तृतीय पुरस्कार।

विदित है कि प्रदेश स्तर पर रोवर्स रेंजर्स की तीन दिनों तक चलने वाली 31वें प्रादेशिक समागम प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जूभैय्या) विश्वविद्यालय प्रयागराज में संपन्न हुआ। जिसमें उत्तर प्रदेश के कुल 9 विश्वविद्यालय से 36 टीमों ने हिस्सा लिया। इस बीच समागम में खेल, स्वास्थ और सामाजिक सेवा से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की रोवर्स रेंजर्स टीम ने पहली बार पूरे गर्म जोशी से प्रतिभाग किया और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त कर ₹5000 की धनराशि हासिल की जिससे विश्वविद्यालय परिवार आह्लादित है। विजयी टीम को शुभकामनाएं देते हुए माननीय कुलपति प्रो. जे पी पांडेय ने कहा कि खेल और अन्य शारीरिक गतिविधियां हमें सशक्त राष्ट्र के निर्माण करने में सहायता प्रदान करती हैं। रोवर्स प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ सुदीप रेंजर्स प्रभारी डॉ जहां आरा ज़ैदी व रोवर्स रेंजर्स समन्वयक डॉ.मो.शरिक ने इस मौक़े पर रोवर्स रेंजर्स टीम को बधाई दी और विश्वविद्यालय प्रशासन का सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। टीम के विजयी होने पर विश्वविद्यालय परिसर में हर्ष का माहौल है।